वोकेशनल कोर्स उच्चतर शिक्षा में भी सहायक सिद्ध होंगे

जागरण संवाददाता, गुड़गांव : वोकेशनल कोर्स करने से विद्यार्थियों में रोजगार के लिए संभावनाएं बढ़ेंगी ही साथ ही विद्यार्थियों को आगे चलकर उच्चतर शिक्षा के लिए भी यह कोर्स सहायक साबित होंगे। इसी सोच के साथ एनवीईक्यूएफ (नेशनल वोकेशनल एजुकेशनल क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क) के तहत स्कूलों में वोकेशनल कोर्स चलाए जा रहे हैं। इन कोर्सों के सफल होने के साथ ही अब लगातार स्कूलों की संख्या बढ़ती जा रही है।

एनवीईक्यूएफ के तहत चलाए जा रहे कोर्स स्कूलों में इतने पसंद किए जा रहे हैं कि अब नए सत्र से स्कूलों की संख्या बढ़ाकर 240 कर दी गई है। अब तक 140 स्कूलों में यह कोर्स चल रहा था। एससीईआरटी (राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद) में चल रहे दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दूसरे दिन प्राचार्यों को यही बताया गया कि यह कोर्स किस तरह से विद्यार्थियों के लिए फायदेमंद हैं व किस तरह से इन्हें स्कूलों में लागू करना है। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दूसरे दिन नेशनल वोकेशनल एजुकेशनल क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क के अतिरिक्त निदेशक केके अग्निहोत्री के अलावा सेंटर आफ एक्सीलेंस, फरीदाबाद से सीईओ कर्नल पीके सिंह, डिप्टी डायरेक्टर डा. मनोज कौशिक सहित कई स्कूलों के प्राचार्य वहां उपस्थित रहे।

सफलता पूर्वक कोर्स पूरा करने वाले होंगे 'स्टार'

नेशनल वोकेशनल एजुकेशनल क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क के तहत स्कूलों में रोजगार परक वोकेशनल कोर्स लागू किए जाने की योजना पहले ही बना ली गई थी। अब इस योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिहाज से स्कूलों में कोर्स करने वाले युवाओ को 'स्टार' करार दिया जाएगा व कोर्स पास करके निकलने के बाद उन्हें दस से पंद्रह हजार रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। वोकेशनल कोर्सों में स्टार योजना के तहत स्कूलों में छुट्टियों के दौरान स्कूली व गैर स्कूली युवाओ को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान स्कूल की लैब आदि को उपयोग में लाकर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु किया जाएगा। रिटेल तथा ऑटोमोटिव सेक्टर के अलावा कृषि से जुड़े वोकेशनल कोर्स भी करवाए जाने की योजना है। अभी तक एनवीईक्यूएफ के तहत नौवी से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को स्कूल वोकेशनल कोर्स स्कूल टाइम में ही पढ़ाए जाते हैं। इस समय भी इस प्रोग्राम के तहत प्रदेश के 140 स्कूलों में सात वोकेशनल कोर्स चल रहे थे जो अब सौ और स्कूलों में चलाए जा रहें हैं तो कुल मिलाकर स्कूलों की संख्या 240 हो गई है।